साहित्यिक हिंदी
मॉडल पेपर- 2021

समय- 3:15 hr **पूर्णांक-** 100

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) 'आधुनिक हिन्दी साहित्य' का जनक समझा जाता है– 1

(i) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द

(ii) प्रताप नारायण मिश्र

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन वर्ष है– 1

(i) 1936 ई० (ii) 1900 ई०

(iii) 1880 ई० (iv) 1890 ई०

(ग) 'पथ के साथी' के रचयिता हैं– 1

(i) श्याम सुन्दर दास

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) जयशंकर प्रसाद

(घ) धर्मवीर भारती द्वारा रचित उपन्यास है– 1

(i) परख (ii) गुनाहों का देवता

(iii) त्याग पत्र (iv) कल्याणी

(ङ) 'भाग्य और पुरुषार्थ' की गद्य विधा है – 1

(i) आत्मकथा (ii) उपन्यास

(iii) निबन्ध (iv) संस्मरण

प्रश्न 2. (क) किस कवि को राष्ट्र कवि का सम्मान मिला है– 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(iii) मैथिली शरण गुप्त
(iv) माखन लाल चतुर्वेदी

(ख) भक्तिकाल की रचना है – 1

(i) साकेत (ii) द्वापर
(iii) विनय-पत्रिका (iv) राम चन्द्रिका

(ग) 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता हैं– 1

(i) सुमित्रा नन्दन पन्त
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) जयशंकर प्रसाद
(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' किस काव्य धारा के कवि हैं? 1

(i) छायावाद (ii) प्रगतिवाद
(iii) शुक्लयुग (iv) राष्ट्रीय काव्य

(ङ) 'पृथ्वीराज रासो' रचना है– 1

(i) नरपति नाल्ह की (ii) चन्दबरदायी की
(iii) रामप्रसाद निरजंनी की (iv) जगनिक की

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $2 \times 5 = 10$

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है। यदि भाषा में विकसन शीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गये शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हो, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है?
(iv) भाषा का अस्तित्व किसके बिना दुरूह है?
(v) भाषा में शुद्धता कैसे प्रदान की जा सकती है?

अथवा हम पिस जाते। अच्छा ही हुआ जो वह बदल गई। पूरी कहाँ बदली हैं? पर बदल तो रही है। अशोक का फूल तो उसी मस्ती में हँस रहा है। पुराने चित्त से इसको देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पण्डित समझता है, पण्डिताई भी एक बोझ है– जितनी भी भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबोती है। जब वह जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो जाती है। तब वह बोझ नहीं रहती। वह उस अवस्था में उदास भी नहीं करती। कहाँ,

अशोक का कुछ भी तो नहीं बिगड़ा है। कितनी मस्ती में झूम रहा है। कालिदास इसका रस ले सके थे–अपने ढंग से। मैं भी ले सकता हूँ अपने ढंग से। उदास होना बेकार है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक किसकी प्रवृत्ति परिवर्तित करने की बात कहते हैं?

(iv) कवि कालिदास किसका रस या आनन्द प्राप्त कर चुके हैं?

(v) कौन-सी प्रवृत्ति तेजी से डुबोती है?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2×5=10**

तरनि-तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये।।
किधौं मुकुर मैं लखत उझकि सब निज-निज सोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।
मनु आतप वारन तीर कौ सिमिटि सबै छाये रहत।
कै हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) जलरूपी दर्पण में अपनी शोभा देखने के लिए उचक-उचककर कौन आगे झुक गए हैं?

(iv) कवि के अनुसार किन्हें देखकर नेत्रों को मन को सुख प्राप्त होता है?

(v) उपर्युक्त पंक्तियाँ किन अलंकारों से सुशोभित हैं?

(vi) यमुना-तट वृक्ष किस रूप में सुशोभित हैं?

(vii) वृक्ष जल के दर्पण में क्या देख रहे हैं?

अथवा सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध , है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटो की तुझे कुछ भी नहीं पहचान
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कवि किसे और क्यों सावधान करता है?

(iv) मनुष्य के लिए विज्ञान क्या है?

(v) पद्यांश में 'अज्ञान शिशु' कौन है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख(80 शब्दों में) कीजिए- **3+2=5**

(i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

(ii) वासुदेव शरण अग्रवाल

(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय एवं प्रमुख कृतियों का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ii) जय शंकर प्रसाद

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रश्न 6. 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी की समीक्षा कहानी-कला के तत्वों के आधार पर (80 शब्दों में) कीजिए– 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चारित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित खण्ड़ों में से किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दो में) दीजिए। 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में वर्णित राजनैतिक घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा-वस्तु (कथानक) लिखिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान नारी पात्र कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु (कथानक) सक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु (कथानक) संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्रांकन कीजिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डितमोतीलाल नेहरू लाला लाजपतराय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्र नायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रता संग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे

कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्ग्लशासकाः भीताः जाताः। बहुवारं कारागारे-निक्षिप्तोऽपि अयं वीरः देशसेवा व्रतं नात्यजत्।

अथवा संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भाव बोध सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च् वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूपा, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलेन् सञ्जायन्ते।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

मत्तागजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः।
रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रक्रीडितो वारि धरैः सुरेन्द्रः।।

अथवा न चौरहार्य न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 2+2=4

(i) संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः कः आसीत्?
(ii) बसन्तकाले वृक्षाः कीदृशाः भवन्ति?
(iii) धीमतां कालः कथं गच्छति?
(iv) मूलशंङ्करस्य जन्म कुत्र अभवत्?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस का स्थायी भाव और उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'यमक' अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' छन्द की मात्रा सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) राष्ट्रीय एकता
(ii) बेरोजगारी एक अभिशाप
(iii) साहित्य और समाज
(iv) भारत में भ्रष्टाचार
(v) आतंकवाद

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'इत्यादि' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) इत्य + आदि (ii) इति + आदि
(iii) इत्या + दि (iv) इत + यादि

(ब) रामावग्रतः का सन्धि-विच्छेद होगा– 1

(i) रामो + अग्रतः (ii) रामौ + अग्रतः
(iii) राम + अग्रतः (iv) रामे + अग्रतः

(स) 'पौ + अकः' की सन्धि है– 1

(i) पोअकः (ii) पावकः
(iii) पावाकः (iv) पौवाकः

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'उपवनम्' पद में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास
(ii) कर्मधारय समास
(iii) अव्ययी भाव समास
(iv) द्विगु समास

(ब) 'महाजनः' पद में समास हैं– 1

(i) कर्मधारय समास (ii) अव्ययीभाव समास
(iii) तत्पुरुष समास (iv) द्विगु समास

प्रश्न 13. (क) 'अकरोत्' अथवा 'पास्यामः' रूप किस धातु के किस लकार, किस पुरुष तथा किस वचन का रूप है?

$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=2$

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'आत्मसु' रूप है, 'आत्मन्' शब्द का– 1

(i) द्वितीया विभक्ति, एकवचन
(ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iii) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(iv) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(ब) 'सर्वस्मात्' रूप है, 'सर्व' पुल्लिंग शब्द का– 1

(i) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(iii) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(iv) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'बुद्धिमान' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) मतुप् प्रत्यय (ii) वतुप् प्रत्यय

(iii) क्त प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(ब) 'पानीयम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) वतुप् प्रत्यय (ii) क्त प्रत्यय

(iii) अनीयर् प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) सुग्रीव: रामस्य सखा आसीत्।

(ii) आचायीत् अधीते।

(iii) बालकेषु: अरविन्द: श्रेष्ठ:।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(ii) पक्षी आकाश में उड़ते हैं।

(iii) पिता पुत्रों को मिठाई देता है।

(iv) छात्र को विनयशील होना चाहिए।